सूरजमुखी की खेती

870. **श्री अजीत जोगी :**
श्री राजूभाई ए. परमार :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सूरजमुखी की खेती राज्य-वार कुल कितने क्षेत्र में की जाती है;

(ख) क्या सरकार और अधिक क्षेत्र में सूरजमुखी की खेती शुरू करने का विचार विचार रखती है;

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(घ) आठवीं पंचवर्षीय योजनावधि के दौरान ऐसी कौन-कौन सी परियोजनाएं शुरू करने का विचार है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मु. वापल्ली रामचन्द्रन) :(क) सूरजमुखी की खेती मुख्यतया आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र में की जाती है । इन राज्यों में सूरजमुखी की खेती के तहत क्षेत्र का ब्यौरा नीचे दिया गया है :—

(लाख हेक्टेयर)

आन्ध्र प्रदेश	1.60
कर्नाटक	8.86
महाराष्ट्र	4.97

अन्य राज्यों में सूरजमुखी की खेती के तहत क्षेत्र नगण्य है । 1990–91 के दौरान सूरजमुखी की खेती का कुल अखिल भारतीय कवरेज 16.41 लाख हेक्टेयर था ।

(ख) और (ग) जी, हां । यह प्रस्ताव किया गया है कि वर्ष 1992–93 के दौरान खरीफ में सूरजमुखी के तहत क्षेत्र में लगभग 2 लाख हेक्टेयर क्षेत्र की वृद्धि की जाये ।

(घ) केन्द्रीय प्रायोजित तिलहन उत्पादन कार्यक्रम के तहत सूरजमुखी के क्षेत्र में विस्तार और इसके उत्पादन संबंधी कार्य को शुरू किया जा रहा है ।

कृषि अनुसंधान संस्थान

871. **श्री अजीत जोगी :**
श्री राजूभाई ए. परमार :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अधिकांश कृषि अनुसंधान संस्थान देश के बड़े शहरों और शहरी क्षेत्रों में स्थित है;

(ख) यदि हां, तो उनके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार किसानों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए इन संस्थानों को ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानांतरित करने का विचार रखती है; और

(घ) यदि हां, तो कब तक ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के.सी. लेंका) : (क) और (ख) महोदय, आमतौर पर अनुसंधान संस्थानों की स्थापना स्थान की उपयुक्तता, अपेक्षित सुविधाओं की उपलब्धता और विभिन्न प्रकार के उपयोगकर्ताओं जैसे— अनुसंधान कर्ताओं, छात्र, उद्योग के प्रतिनिधियों और किसानों की वहां आसानी से पहुंच को ध्यान में रखकर की जाती है ।

(ग) नहीं ।

(घ) प्रश्न ही नहीं उठता ।

भारतीय कृषि के संबंध में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान का आकलन

872. **श्री अजीत जोगी :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने अपनी पत्रिका "टैक्नोलॉजी एग्रीकल्चरल ग्रोथ एंड रीजनल इम्बैलेंस" में मूल्य की दृष्टि से भारतीय कृषि की क्षमता का कोई आकलन किया है;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस विशाल अप्रयुक्त क्षमता का उपयोग करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के.सी. लेंका) : (क) "टैक्नोलॉजी एग्रोकल्चरल ग्रोथ रीजनल डिफ्रेंसेस" नाम की कोई ऐसी पत्रिका (मैगजीन) नहीं है जिसे भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान प्रकाशित करता है ।

(ख) और (ग) प्रश्न ही नहीं उठता ।

अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित पदों का भरा जाना

873. **श्री अजीत जोगी** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उनके मंत्रालय में 31 दिसम्बर, 1991 की स्थिति के अनुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित श्रेणी-वार बकाया कितने रिक्त पद थे;

(ख) पिछले तीन महीनों के दौरान इन आरक्षित पदों को भरने के संबंध में क्या प्रगति हुई है; और

(ग) सरकार ने शेष आरक्षित पदों को भरने के लिए क्या कदम उठाए हैं ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुल्लापल्ली रामचन्द्रन) : (क) से (ग) सूचना एकत्र की जा रही है तथा सभा पटल पर रखी जाएगी ।

उत्तर प्रदेश में कृषि उत्पादन में वृद्धि करने के लिए योजना

874. **श्री राम नरेश यादव** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने उत्तर प्रदेश की भौगोलिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए राज्य में कृषि की उत्पादकता में वृद्धि करने के लिए कोई भावी योजना बनाई है अथवा निकट भविष्य में ऐसी कोई योजना बनाने का विचार है ;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(ग) इस योजना को प्रदेश में कब तक लागू किए जाने की संभावना है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुल्लापल्ली रामचन्द्रन) : (क) से (ग) भारत सरकार ने उत्तर प्रदेश में कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए कोई दीर्घ-कालिक भावी योजना नहीं बनाई है । लेकिन, योजना आयोग राज्य सरकार से यह बात जोर देकर कहता रहा है कि नियोजन प्रक्रिया के माध्यम से कृषि उत्पादकता बढ़ाई जाये ।

Agriculture Universities in Maharashtra

875. SHRI VISHWASRAO RAMRAO PATIL: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the quantum of assistance sought and amount released to each Agriculture Universities in Maharashtra during 1991-92, and

(b) the notable research achievements made by these Universities during the above period?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI K. C LENKA): (a) and (b) Yes Sir. The information is furnished in the enclosed statement (I and II)